

9 ⁷/₂₄ पत्रावली पेश हुई व कुलमात्र उपर
 पत्रावली वाला जवाब अप्राप्य
 दिनांक 24/7/24 को पेश हो

24 ⁷/₂₄ पत्रावली पेश हुई व कुलमात्र उपर
 अधीन आया नं नए गृह सारणी
 क्रमांक 1065 की दृष्टि से आगे पत्र
 क्रियाएँ व निवेदन किया हो व धन
 अक्षमात्र पुनः जाकर इ भद्र पर्याकारण
 का वाक्य दिया जाकर कि व द
 रक्षण गृह निरहाण के कारण
 सं 444/72 740, 1065 न व दूधर
 के व दन वारा प्र क्रिया वका

क्र. नं. 1065 की
 दृष्टि से क्रिया
 / अक्षमात्र पर विचार
 करा जावे
 श्री सुनील

(Signature)
 महाश्वेत नगरपालिका
 उपरान्त अधिकारी
 पोखरा नगर (अक्षाण्ड)

नम्बर
अहक
हुक्म
में

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

की दखलबाजी बंधा नहीं करे एवं
मौका एवं रेकर्ड की यथास्थिति
न्याय रानी जहाँ प्रकलन कुशल
सुपा होकर नाम के व्यय ही एवं
शाखिज यहाँ की

